राजस्थान

कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (CET)



HANDWRITTEN NOTES

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

LATEST EDITION

राजस्थान CET

(RSMSSB)

(COMMON ELIGIBILTY TEST)

(12th LEVEL)

[भाग -3] हिंदी + अंग्रेजी

INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राजस्थान CET

(12th level)

भाग - 3

हिंदी + अंग्रेजी

प्रस्तावना

*प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स "**राजस्थान CET (Senior Secondary Level)** को एक विभिन्न अपने अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है / ये नोट्स पाठकों को **राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर (RSMSSB)** द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा **"राजस्थान CET (Senior Secondary Level)" की** परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगें **/***

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है / अतः आप सूचि पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं/

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302017 (RAJASTHAN)

मो : 01414045784, 8233195718

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : http://www.infusionnotes.com

Whatsapp करें - https://wa.link/gwli3t

Online Order करें - https://bit.ly/rsmssb-cet-notes

मूल्य : ₹

संस्करण : नवीनतम (2022)

हिन्दी

1. सन्धि और सन्धि विच्छेद	1
2. सामासिक पदों की रचना और समास - विग्रह	8
3. उपसर्ग	25
4. प्रत्यय	27
5. पर्यायवाची शब्द	32
6. विपरीतार्थक (विलोम) शब्द	38
7. अनेकार्थक शब्द	48
8. शब्द - युग्म	50
9. संज्ञा	59
10. सर्वनाम	64
11. विशेषण	66
12. अव्यय (अविकारी शब्द)	69
13. क्रिया	75
14. शब्द - शुद्धि	78
15. वाक्य - शुद्धि	83
16. वाक्यांश के लिए एक सार्थक शब्द	89
17. मुहावरे और लोकोक्तियाँ	98
18. अंग्रेजी के पारिभाषिक शब्दों के समानार्थक हिन्दी शब्द	112
19. कार्यालयी पत्र	124

English

1. Time And Tenses 129
2. Active / Passive Voice of Verb 145
3. Conversion into Direct & Indirect Narration 154
4. Article 161
5. Preposition 175
6. Translation from hindi to English 193
7. Glossary Of Offical, Technical Terms (with their hindi versions) 201
8. Synonyms and Antonyms 213
9. One Word Substitution 227
10. Comprehension Passage 238
11. Writing Letter 251

अध्याय – 2

सामासिक पदों की रचना और समास - विग्रह

⇒ **समास का शाब्दिक अर्थ** - जोड़ना या मिलाना। अर्थात समास प्रक्रिया में दो या दो से अधिक शब्दों को आपस में मिलाकर एक शब्द बनाया जाता है!

⇒ दो अथवा दो से अधिक शब्दों से मिलकर बने हुए नए सार्थक शब्द को समास कहते हैं।

⇒ **समस्त पद (सामासिक पद)**-समास के नियमों का पालन करते हुए जो शब्द बनता है उसे समास पद या सामासिक,पद कहते हैं।

⇒ समस्त पद के सभी पदों को अलग अलग किए जाने की प्रक्रिया को समास विग्रह कहलाती है।

⇒ समास वह शब्द रचना है जिसमें अर्थ की दृष्टि से परस्पर स्वतंत्र सम्बन्ध रखने वाले दो या दो से अधिक शब्द मिलकर किसी अन्य स्वतंत्र शब्द की रचना करते हैं।

सामासिक शब्द में आए दो पदों में पहले पद को पूर्वपद तथा दूसरे पद को उत्तरपद कहते हैं।
।

जैसे:-

गंगाजल	गंगाजल	- गंगा का जल
गंगा	जल	गंगा जल
(पूर्वपद)	(उत्तरपद)	(समस्त पद) (समास विग्रह)

कम से कम शब्दों में अधिक से अधिक अर्थ को प्रस्तुत कर देना ही समास का प्रमुख उद्देश्य होता है।

समास 6 प्रकार के होते हैं

समास के प्रकार Types Of Compound

1. तत्पुरुष समास
2. कर्मधारय समास
3. अव्ययीभाव समास
4. द्विगु समास
5. बहुव्रीहि समास
6. द्वंद्व समास

1. कर्म तत्पुरुष (द्वितीय तत्पुरुष) (को)
2. करण तत्पुरुष (तृतीय तत्पुरुष) (से, के द्वारा)
3. संप्रदान तत्पुरुष (चतुर्थी तत्पुरुष) (के लिए)
4. अपादान तत्पुरुष (पंचमी तत्पुरुष) से (अलग होने के अर्थ से)
5. सम्बन्ध तत्पुरुष (षष्ठी तत्पुरुष) (का, की, के)
6. अधिकरण तत्पुरुष (सप्तमी तत्पुरुष) (मे, पर)

पद की प्रधानता के आधार पर समास का वर्गीकरण

(क) पूर्वपद प्रधान –अव्ययीभाव

(ख) उत्तर पद प्रधान - तत्पुरुष, कर्मधारय और द्विगु

(ग) दोनों पद प्रधान-द्वन्द्व

(घ) दोनों पद अप्रधान - बहुव्रीहि (इसमें कोई तीसरा अर्थ प्रधान होता है)

नोट:

भारतीय भाषा में कुछ ऐसे शब्द हैं जिनके रुप में लिंग, वचन के अनुसार परिवर्तन या विकार उत्पन्न नहीं होता है, उन्हें अव्यय शब्द या अविकारी शब्द कहते हैं।

अर्थात ऐसे शब्द जिनका व्यय ना हो, उन्हे अव्यय शब्द कहते हैं।

जैसे – यथा, तथा, यदा, कदा, आ, प्रति , जब, तब, भर, यावत , हर आदि।

(I) अव्ययीभाव समास Adverbial Compound

जिस समास में पहला पद अर्थात पूर्वपद प्रधान तथा अव्यय होता है, उसे अव्ययीभाव समास कहते है।

पहचान- सामासिक पद (समस्त पद) मे यथा, आ, अनु, प्रति, भर, तथा, यदा, कदा, जब, तब, यावत, हर आदि शब्द आते हैं।

समस्त पद	-	विग्रह
आजन्म	-	जन्म से लेकर
आमरण	-	मरने तक
आसेतु	-	सेतु तक
आजीवन	-	जीवन भर
अनपढ़	-	बिना पढ़ा
आसमुद्र	-	समुद्र तक
अनुरुप	-	रुपके योग्य
अपादमस्तक	-	पाद से मस्तक तक
यथासंभव	-	जैसा सम्भव हो/जितना सम्भव हो सके
यथोचित	-	उचित रुप मे/जो उचित हो
यथा विधि	-	विधि के अनुसार
यथामति	-	मति के अनुसार
यथाशक्ति	-	शक्ति के अनुसार
यथानियम	-	नियम के अनुसार
यथाशीघ्र	-	जितना शीघ्र हो
यथासमय	-	समय के अनुसार
यथासामर्थ	-	सामर्थ के अनुसार
यथाक्रम	-	क्रम के अनुसार
प्रतिकूल	-	इच्छा के विरुद्ध
प्रतिमाह	-	प्रत्येक -माह
प्रति दिन	-	प्रत्येक - दिन
भरपेट	-	पेट भर के
हाथों हाथ	-	हाथ ही हाथ में/ (एक हाथ से दूसरे हाथ)
परम्परागत	-	परम्परा के अनुसार
थल - थल	-	प्रत्येक स्थान पर
बोटी – बोटी	-	प्रत्येक बोटी
नभ –नभ	-	पूरे नभ में
रंग - रंग	-	प्रत्येक रंग के
मीठा – मीठा	-	बहुत मीठा
चुप्प –चुप्प	-	बिल्कुल चुपचाप
आगे- आगे	-	बिल्कुल आगे
गली – गली	-	प्रत्येक गली
दूर - दूर	-	बिल्कुल दूर
सुबह - सुबह	-	बिल्कुल सुबह
एकाएक	-	एक के बाद एक
दिनभर	-	पूरे दिन
दो – दो	-	दोनों दो। प्रत्येक दोनों
रोम- रोम	-	पूरे रोम मे
नए – नए	-	बिल्कुल नए
हरे - हरे	-	बिल्कुल हरे
बारी – बारी	-	एक एक करके / प्रत्येक करके
बे – मारे	-	बिना मारे
जगह – जगह	-	प्रत्येक जगह

मील – भर	-	पूरे मील
गरमागरम	-	बहुत गरम
पतली-पतली	-	बहुत पतली
हफ्ता भर	-	पूरे हफ्ते
प्रति एक	-	प्रत्येक
एक - एक	-	हर एक / प्रत्येक
धीरे – धीरे	-	बहुत धीरे
अलग-अलग	-	बिल्कुल अलग
मनचाहे	-	मन के अनुसार
छोटे – छोटे	-	बहुत छोटे
भरे - पूरे	-	पूरा भरा हुआ
जानलेवा	-	जान लेने वाली
दूरबीन	-	दूर देखने वाली
सहपाठी	-	साथ पढ़ने वाला/वाली
खुला – खुला	-	बहुत खुला
कोना-कोना	-	सारा कोना
मात्र	-	केवल एक
भरा-भरा	-	बहुत भरा
शुरू – शुरू	-	बहुत आरंभ/शुरु में
अंग- अंग	-	प्रत्येक अंग
अहैतुक	-	बिना किसी कारण के
प्रतिवर्ष	-	वर्ष – वर्ष /हर वर्ष
छातीभर	-	छाती तक
बार-बार	-	बहुत बार
देखते - देखते	-	देखते ही देखते
एकदम	-	अचानक से
रात-रात	-	पूरी रात भर
सालों-साल	-	बहुत साल
रातों-रात	-	बहुत रात
ड़रा – ड़रा	-	बहुत ड़रा
तरह- तरह	-	बहुत तरह के
भरपूर	-	पूरा भर के
सालभर	-	पूरे साल
घर-घर	-	प्रत्येक घर
नए-नए	-	बिल्कुल नए
घूमता- घूमता	-	बहुत घूमता
बेशक	-	बिना शक के
अलग-अलग	-	बिल्कुल अलग
अकारण	-	बिना कारण के
घड़ी-घड़ी	-	हर घड़ी
पहले-पहले	-	सबसे पहले
भरसक	-	पूरी शक्ति से
बखूबी	-	खूबी के साथ
निः सन्देह	-	सन्देह के बिना
बेअसर	-	असर के बिना
सादर	-	आदर के साथ
बेकाम	-	बिना काम के
अनजान	-	बिना जाने
प्रत्यक्ष	-	आँख के सामने
बेफायदा	-	फायदे के बिना
बाकायदा	-	कायदे के अनुसार
बेखटके	-	बिना खटके के
निड़र	-	ड़र के बिना
यथाशीघ्र	-	जितना शीघ्र हो
प्रतिध्वनि	-	ध्वनि की ध्वनि

(2) तत्पुरुष समास Determinative compound

जिस समास मे बाद का अथवा उत्तरपद प्रधान होता है एवं पूर्व पद गौण होता है तथा दोनों पदो वे बीच का कारक- चिन्ह लुप्त हो जाता है, उसे तत्पुरुष समास कहते हैं। तत्पुरुष समास छः प्रकार के होते हैं, जो निम्नलिखित हैं-

[I]कर्मतत्पुरुष समास (द्वितीय तत्पुरुष):- जिस तत्पुरुष समास में कर्मकारक की विभक्ति 'को' लुप्त हो जाती है, वहाँ कर्मतत्पुरुष समास है। जैसे –

समस्त पद	-	**विग्रह**
गगनचुम्बी	-	गगन को चूमने वाला
यश प्राप्त	-	यश को प्राप्त
चिड़ीमार	-	चिड़ियों को मारने वाला

ग्रामगत - ग्राम को गया हुआ
रथचालक - रथ को चलाने वाला
जेबकतरा - जेब को काटने वाला
जनप्रिया - जन को प्रिय
स्वर्गीय - स्वर्ग को गया
वनगमन - वन को गमन
सर्वप्रिय - सब को प्रिय
गिरहकट - गिरह को काटने वाला
गिरह / गांठ
अतिथ्यर्पण - अतिथि को अर्पण
गृहागत - घर को गया हुआ
मरणासन्न - मरण को पहुंचा हुआ
परलोकगमन - परलोक को गमन
स्वर्गगत - स्वर्ग को गत (गया हुआ)
शरणागत - शरण को आगत
भयप्राप्त - भय को प्राप्त
स्वर्ग प्राप्त - स्वर्ग को प्राप्त
आशातीत - आशा को अतीत
मनपसन्द - मन को पसन्द
रूपधारी - रूप को धारण करने वाला
वर दिखाई - वर को दिखाना
मर्म भेदी - दिल को भेदने वाला
कार्यकर्ता - कार्य को करने वाला
रात जगा - रात को जगा हुआ
कठफोड़वा - काठ (लकड़ी)को फोड़ने वाला
देशगत - देश को गत (गया हुआ)
पाकिटमार - पाकिट को मारने (काटने) वाला
विरोधजनक - विरोध को जन्म देने वाला
दिल तोड़ - दिल को तोड़ने वाला
आपत्तिजनक - आपति को जन्म देने वाला
हस्तगत - हस्त को गया हुआ
प्राप्तोदक - उदक (जल) को प्राप्त तक
तिलकुटा - तिल को कूटकर
बनाया हुआ
जगसुहाता - जग को सुहाने वाला
सकटापन्न - सकट को प्राप्त आपन्न
विदेशगमन - विदेश को गमन सर्वज्ञ - सर्व (सब) को जानने वाला
नरभक्षी - नरों को भक्षित करने वाला
स्याहीचूस - स्याही को चूसने वाला
कनकटा - कान को कटवाने वाला
विद्युत मापी - विद्युत को मापने वाला
कृष्णार्पण - कृष्ण को अर्पण

[II] करण तत्पुरुष समास (तृतीय तत्पुरुष):-
जिस तत्पुरुष समास मे करणकारक की विभक्ति 'से', 'के द्वारा' लुप्त हो जाती है, वहाँ करण तत्पुरुष समास है।

समस्त पद	-	**विग्रह**
करुणापूर्ण	-	करुणा से पूर्ण
भयाकुल	-	भय से आकुल
रेखांकित	-	रेखा से अंकित
शोकग्रस्त	-	शोक से ग्रस्त
मदान्ध	-	मद से अन्धा
मनचाहा	-	मन से चाहा
पददलित	-	पद से दलित
सूरचित	-	सूर के द्वारा रचित
ईश्वर-प्रदत्त	-	ईश्वर से प्रदत्त
हस्त लिखित	-	हस्त (हाथ) से लिखित
तुलसी कृत	-	तुलसी के द्वारा रचित
दयार्द्र	-	दया से आर्द्र
रत्न जड़ित	-	रत्नों से जड़ित
जन्मरोगी	-	जन्म से रोगी
मनमानी	-	मन से मानी
मुँहमागा	-	मुँह से (द्वारा) माँगा
जन्मांध	-	जन्म से अंधा
वज्रहत	-	वज्र द्वारा हत (मारा हुआ)
प्रशिक्षण	-	विशेष प्रशिक्षण (विशेष द्वारा शिक्षण)
कष्टसाध्य	-	कष्ट से साध्य
मदमाता	-	मद (मस्त) से माता (भरा)

नास्तिक	-	न आस्तिक
अयोग्य	-	न योग्य
असुंदर	-	न सुंदर
अनाथ	-	बिना नाथ के
असंभव	-	न संभव / नहीं हो जो संभव
अनावश्यक	-	न आवश्यक / नहीं हो जो आवश्यक
ना पसंद	-	न पसंद
नावाजिब	-	न वाजिब

[3] कर्मधारय समास (Appositional Compound):-

जिस समास पद का उत्तर पद प्रधान हो तथा पूर्व पद तथा उत्तर पद में उपमान-उपमेय अथवा विशेषण-विशेष्यसंबंध हो, कर्मधारय समास कहलाता है।

आसानी से समझने के लिए कर्मधारय समास को दो प्रकारों में बांटा गया है।

इस प्रकार में पहला पद विशेषण तथा दूसरा पद संज्ञा या सर्वनाम अर्थात विशेष्य होता है।

पहचान:- कर्मधारय समास के विग्रह में "जो" शब्द आता है ।

समस्त पद	-	**विग्रह**
महाकवि	-	महान है जो कवि

(व्याख्या :- यहां महान विशेषण तथा कवि विशेष्य है)

महापुरुष	-	महान है जो पुरुष
महौषध	-	महान है जो औषध
पीतसागर	-	पीत (पीला) है जो सागर
नीलकमल	-	नील (नीला) हैजो कमल
नीलांबर	-	नीला है जो अंबर
नीलोत्पल	-	नील (नीला) है जो उत्पल (कमल)
लालमणि	-	लाल है जो मणि
नीलकंठ	-	नीला है जो कंठ
महादेव	-	महान है जो देव
अधमरा	-	आधा है जो मरा
परमानंद	-	परम है जो आनंद
सुकर्म	-	सुंदर है जो कर्म
सज्जन	-	सच्चा है जो जन
लालटोपी	-	लाल है जो टोपी
महाविद्यालय	-	महान है जो विद्यालय
कृष्णसर्प	-	काला है जो सर्प (सांप)
शुभगमन	-	शुभ है जो आगमन
महावीर	-	महान है जो वीर
काली मिर्च	-	काली है जो मिर्च
महेश	-	महान है जो ईश
महायुद्ध	-	महान है जो युद्ध

नोट :- कुछ कर्मधारय समास के उदाहरणों में पहला पद विशेष्य (संज्ञा या सर्वनाम) तथा उत्तर पद विशेषण होता है। इनके विग्रह में भी "जो" शब्द आता है ।

जैसे:-

समस्त पद	-	**विग्रह**
पुरुषोत्तम	-	पुरुषों में जो है उत्तम
घनश्याम	-	घन (बादल) है जो शाम (काला)

नराधम (नर+अधम) - नारे (व्यक्ति) है जो अधम (नीच)

जब एक पद उपमान (जिससे तुलना की जा रही है) तथा दूसरा पद उपमेय (जिसकी तुलना की जा रही है),वहां भी कर्मधारय समास होता है ।

पहचान:- कर्मधारय समास के विग्रह में 'के समान', 'रूपी' अथवा 'जैसा' शब्द आते हैं।

समस्त पद	**विग्रह**
विद्याधन -	विद्यारूपी धन (विद्या के समान धन)
राजीवनयन (राजीव + नयन) -	राजीव अर्थात् कमल जैसे नयन
कमलाक्षी (कमल + अक्षी) -	कमल जैसी आंखों वाली
कंबू ग्रीवा (कंबू + ग्रीवा) -	कबूतर जैसी गर्दन वाली

कर कमल (कर + कमल) -	कमल के समान कर (हाथ)
मुख चंद्र(मुख + चंद्र) -	चंद्र सा मुख (चंद्र के समान मुख)
देहलता (देह + लता) -	लता जैसी देह (शरीर)
वचनामृत (वचन + अमृत) -	अमृत तुल्य वचन (अमृत के समान वचन)
कन्यारत्न (कन्या + रत्न)	रत्न जैसी कन्या
मृगनयनी (मृग + नयनी)	मृग जैसे नयन
चंद्रमुखी (चन्द्र + मुखी)	चंद्र के समान मुख
शूरवीर (शूर + वीर)	शूर के समान वीर
कुसुमकपोल (कुसुम + कपोल)	कुसुम (फूल) के समान कपोल (गाल)
स्त्रीरत्न (स्त्री + रत्न)	स्त्री रूपी रत्न
क्रोधाग्नि (क्रोध + अग्नि)	क्रोध रूपी अग्नि
नृसिंह (नृ + सिंह)	सिंह रूपी नर
ग्रंथरत्न (ग्रंथ + रत्न)	ग्रंथ रूपी रत्न
कमल नयन (कमल + नयन)	कमल के समान नयन
चरण कमल (चरण + कमल)	कमल के समान चरण
नयनबाण (नयन + बाण)	नयन रूपी बाण
प्राण प्रिय (प्राण + प्रिय)	प्राणों के समान प्रिय

मध्यलोपी कर्मधारय समासः-

पूर्वपद तथा उत्तर पद में सम्बन्ध बताने वाले पद का लोप हो जाता है।

समस्त पद - विग्रह

पनचक्की - पानी से चलने वाली चक्की
रेलगाड़ी - रेल (पटरी) पर चलने वाली गाड़ी
दहीबड़ा - दही में डूबा हुआ बड़ा
वनमानुष - वन मे निवास करने वाला मानुष
गुरुभाई - गुरु के सम्बन्ध मे भाई
मधुमक्खी - मधु का संचय करने वाली मक्खी
मालगाड़ी - माल ले जाने वाली गाडी
बैलगाड़ी - बैलों से खींची जाने वाली गाडी
पर्ण शाला - पर्णों से बनी शाला
मृत्युदंड़ - मृत्यु के लिए दिए जाने वाला दंड़
पर्णकुटी - पर्णों से बनी कुटी
धृतअन्न - धृत से युक्त अन्न

कर्मधारय समास के अन्य उदाहरणः-

समस्त पद - विग्रह

रक्तलोचन - रक्त (लाल) है जो लोचन (आँख)
महासागर - महान है जो सागर
चरमसीमा - चरम तक पहुँची है जो सीमा
कुमारगंधर्व - कुमार है जो गन्धर्व
प्रभुदयाल - दयालु है जो प्रभु
परमाण - परम है जो अण
हताश - हत है जिसकी आशा
गतांक - गत है जो अंक
सद्धर्म - सत् है जो धर्म
महर्षि - महान है जो ऋषि
चूड़ामणि - चूड़ा (सर) में पहनी जाती है जो मणि
प्राणप्रिय - प्रिय है जो प्राण की
नवयुवक - नव है जो युवक
सदाशय - सत् है जिसका आशय
परकटा - कटे हुए हैं पर जिसके
कमतोल - कम तोलता है जो वह
बहुसंख्यक - बहुत है संख्या जिनकी
सत् बुद्दि - सत् है जो बुद्धि
अल्पाहार - अल्प है जो आहार
मंदबुद्धि - मंद है जिसकी बुद्धि
कुमति - कुत्सित है जो मति
कुपुत्र - कुत्सित है जो पुत्र
दुष्कर्म - दूषित है जो कर्म
कृष्ण- पक्ष - कृष्ण (काला) है जो पक्ष
राजर्षि - जो राजा भी है और ऋषि भी

नरसिंह - जो नर भी है और सिंह भी
चरणारविन्द - चरणरूपी अरविन्द (कमल)/ ऐसा चरण जो कमल के समान हो
पदारविन्द - ऐसा पद जो अरविन्द के (कमल के) समान हो
कनकलता - कनक की सी लता
आशालता - आशारूपी लता
कापुरुष - कायर पुरुष
कुसुमकोमल - कुसुम के समान कोमल
कपोतग्रीवा - कपोत (कबूतर)के समान ग्रीवा (गर्दन)
चन्द्रबदन - चन्द्रमा के समान बदन
तिलपापड़ी - तिल से बनी पापड़ी
परमेश्वर - परम है जो ईश्वर
लौहपुरुष - लौह के समान पुरुष
भवसागर - भव रूपी सागर
समभावी - समान भावना रखने वाला
सुपुम- सेतु - सुषुम्ना नाडी रूपी सेतु
अर्द्धरात्रि - आधी है जो रात
संकट सागर - संकट रूपी सागर
हँसमुख - हँसता हुआ है जो मुख
ध्याननिद्रा - ध्यान रूपी निद्रा
सर्वश्रेष्ठ - सभी में श्रेष्ठ है जो
सूखा -भूसा - सूखा है जो भूसा
आहत-सम्मान - आहत हुआ हो जो सम्मान
मूक - भाषा - मूक है जो भाषा
निम्न श्रेणी - निम्न है श्रेणी
खुफिया विभाग - खुफिया विभाग है जो
सर्वोच्च - सबसे ऊंचा
भद्र पुरुष - भद्र है जो पुरुष
पूर्ण सुरक्षा - पूरी हो जो सुरक्षा
विशिष्टजन - विशिष्ट है जो जन
सामान्यजन - सामान्य है जो जन
परमार्थ - परम है जो अर्थ
कमजोर - कम है जोर जिसमें
प्रधानमन्त्री - प्रधान है जो मन्त्री
सादा दिल - सादा है जो दिल
महाराष्ट्र - महान है जो राष्ट्र
पाषाण – हृदय - पाषाण है जो हृदय
नीलगाय - नीली है जो गाय
महादेवी - महान है जो देवी
गुरुदेव - देव के समान गुरु
महाशय - महान है जो (शय) व्यक्ति
सर्वव्यापक - सब जगह व्याप्त है जो
स्नेह रस - स्नेह से भरा रस
स्नेह दाता - स्नेह देता है जो
भलेमानस - भला है जो मानस
स्वयं सेवक - स्वयं सेवा करता है जो
मोमबत्ती - मोम से बनी है बत्ती
गोलघर - गोल है जो घर
स्वगतोक्ति - स्वगत है जो उक्ति
कीचड़ पानी - कीचड़ से युक्त पानी
कम उम्र - कम है जो उम्र
आजाद ख्याल - स्वतन्त्र है जो ख्याल

(५) <u>द्विगु समास (Numeral compound)</u>:-

जिस समास में उत्तर पद प्रधान होता है तथा पूर्वपद संख्यावाची शब्द होता है, वहीं द्विगु समास होता है।

- अर्थ की दृष्टि से द्विगु समास से किसी समूह या समाहार का बोध होता है अर्थात् यह समास समूहवाची या समाहारवाची होता है।

समस्त पद	-	**विग्रह**
सप्तसिन्धु	-	सात सिन्धुओं का समूह
दोपहर	-	दो पहरों का समूह
त्रिलोक	-	तीनों लोकों का समाहार / तीन लोक
चौराहा	-	चार राहों का समूह/ चार राहों का समाहार
नवरात्र	-	नौ रात्रियों का समूह
सप्तऋषि / सप्तर्षि	-	सात ऋषियों का समूह
पंचमढी	-	पाँच मढ़ियों का समूह

सप्ताह	-	सात दिनों का समूह
त्रिकोण	-	तीन कोणों का समाहार
तिरंगा	-	तीन रंगों का समूह
अठन्नी	-	आठ आनों का समाहार
चवन्नी	-	चार आने का समाहार
चौपाया	-	चार पांव वाला
चौमासा	-	चौ (चार) मासों का समूह
नवरत्न	-	(नव + रत्न) नौ रत्नों का समूह
षट्कोण	-	छः कोणों का समूह
सतरंगी	-	सात रंगो का समूह
चारपाई	-	चार पायों का समूह
तिमंजिल	-	तीन मंजिलों का समूह
तितल्ले	-	तीनों तल्लों का समूह
पंचतंत्र	-	पाँच तन्त्रों का समूह
त्रिवेणी	-	तीनों वेणियों का समूह
चतुष्पद	-	चार पादों का समूह
नवग्रह	-	नौ ग्रहों का समूह
चतुर्दिक	-	चार दिशाओ का समूह
त्रिफला	-	तीन फलों का समूह
त्रिभुवन	-	तीन भवनों का समूह

नोट- प्रायः द्विगु समास के समस्त पद एकवचन की तरह प्रयोग में लाये जाते हैं। जैसेः-

1. षट् रस का आनन्द लेना (शुद्ध) - षट् रसों का आनन्द लेना (अशुद्ध)
2. मैंने पंचतन्त्र (ग्रन्थ) पढा (शुद्ध) - मैंने पंचतन्त्र पढे। (अशुद्ध)
3. शताब्दी (न कि सौ वर्ष)
4. त्रिकोण (तीन कोण वाला एक आकार, न कि तीन कोण)
5. शतदल (सौ या अधिक दलों वाला कमल पुष्प, न कि सौ दल)

आदि शब्द एकवचन संज्ञा के रूप में प्रयोग में आते हैं।

कर्मधारय समास और द्विगु समास में अन्तरः-

द्विगु समास का पहला पद संख्यावाचक विशेषण होता है, जो दूसरे पद की गिनती बताता है, जबकि, कर्मधारय समास का एक पद विशेषण होने पर भी संख्यावाचक कभी नहीं होता है। जैसेः- नवरत्न - नौ रत्नों का समूह (द्विगु समास)

चतुर्वर्ण- चार वर्णों का समूह (द्विगु समास)

पुरुषोत्तम- पुरुषों में जो है उत्तम (कर्मधारय समास)

रक्तोत्पल - रक्त (लाल) है जो उत्पल (कमल) (कर्मधारय समास)

(5) द्वन्द्व (द्वन्द) समास (Copulative Compound):-

जिस समास में दोनों पद प्रधान हो तथा विग्रह करने पर 'और',अथवा , 'या', 'एवं' लगता हो, वहाँ द्वन्द्व समास होते हैं ।

पहचान- दोनों पदों के बीच प्रायः योजक चिन्ह (Hyphen) (-) का प्रयोग होता है। इस समास में एक जैसे दो शब्द आएँगे जैसेः- संज्ञा – संज्ञा, क्रिया -क्रिया, विशेषण - विशेषण आदि।

समस्त पद	-	**विग्रह**
नदी – नाले	-	नदी और नाले
पाप- पुण्य	-	पाप और पुण्य
सुख - दुःख	-	सुख और दुःख
गुण-दोष	-	गुण और दोष
देश – विदेश	-	देश और विदेश
आगे – पीछे	-	आगे और पीछे
राजा - प्रजा	-	राजा और प्रजा
नर - नारी	-	नर और नारी
राधा – कृष्ण	-	राधा और कृष्ण
छल – कपट	-	छल और कपट
अपना – पराया	-	अपना और पराया
गंगा- यमुना	-	गंगा और यमुना
कपड़ा –लत्ता	-	कपड़ा और लत्ता
वेद- पुराण	-	वेद और पुराण
गाड़ी – घोड़ा	-	गाड़ी और घोड़ा
खरा - खोटा	-	खरा और खोटा
गौरी – शंकर	-	गौरी और शंकर
अन्न-जल	-	अन्न और जल
ऊंच – नीच	-	ऊंच और नीच
माता – पिता	-	माता और पिता

९. क्योंकि वह मोटा है अतः वह धीरे चलता है।	९. क्योंकि वह मोटा है इसलिए वह धीरे चलता है।
10. आप इसी समय रवाना हो जाइये, क्योंकि आप को गाड़ी मिल जाय।	10. आप इसी समय रवाना हो जाइये, ताकि आपको गाड़ी मिल जाय ।

II. अशुद्ध वर्तनी के कारण :

वाक्य में प्रयुक्त अशुद्ध वर्तनी से भी वाक्य अशुद्ध हो जाता है।

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
1. ताजमहल की सौन्दर्यता अनुपम है।	1. ताजमहल का सौन्दर्य अनुपम है।
2. महात्मा के सदोपदेश सुनने चाहिए।	2. महात्मा के सदुपदेश सुनने चाहिए।
3. 'कामायनी' के रचियता प्रसाद हैं।	3. कामायनी के रचयिता प्रसाद हैं।
५. पूज्यनीय पिताजी आ रहे हैं।	५. पूजनीय पिताजी आ रहे हैं।

अध्याय – 16

वाक्यांश के लिए एक सार्थक शब्द

अच्छी रचना के लिए आवश्यक है कि कम से कम शब्दों में विचार प्रकट किए जाए। और भाषा में यह सुविधा भी होनी चाहिए कि वक्ता या लेखक कम से कम शब्दों में अर्थात् संक्षेप में बोलकर या लिखकर विचार अभिव्यक्त कर सके। कम से कम शब्दों में अधिकाधिक अर्थ को प्रकट करने के लिए 'वाक्यांश या शब्द-समूह के लिए एक शब्द' का विस्तृत ज्ञान होना आवश्यक है। ऐसे शब्दों के प्रयोग से वाक्य-रचना में संक्षिप्तता, सुन्दरता तथा गंभीरता आ जाती है। भाषा में कई शब्दों के स्थान पर एक शब्द बोल कर हम भाषा को प्रभावशाली एवं आकर्षक बनाते हैं ।

कुछ वाक्यांशों के लिए एक शब्द –

'अ' से शुरू होने वाले एकल शब्द

- जो सबके आगे रहता हो - अग्रणी
- किसी आदरणीय का स्वागत करने के लिए चलकर कुछ आगे पहुँचना - अगवानी
- जिसकी गहराई या थाह का पता न लग सके - अगाध
- जो गाये जाने योग्य न हो - अगेय
- जो छेदा न जा सके - अछेद्य
- जिसका कोई शत्रु पैदा ही न हुआ हो - अजातशत्रु
- जिसे जीता न जा सके – अजेय
- जिसके खंड या टुकड़े न किये गये हों - अखंडित
- जो खाने योग्य न हो - अखाद्य
- जो गिना ना जा सके - अगणित/अनगिनत
- जिसके अंदर या पास न पहुँचा जा सके - अगम्य
- जिसके पास कुछ भी न हो - अकिंचन
- जिसमें कुछ करने की क्षमता न हो - अक्षम
- जिसका खंडन न किया जा सके - अखंडनीय
- जिसका ज्ञान इन्द्रियों द्वारा न हो - अगोचर
- दूर तक फैलने वाला अत्यधिक नाशक आग - अग्निकांड
- जिसका जन्म पहले हुआ हो - अग्रज
- जो किसी देन या पारिश्रमिक मदे पहले से ही सोचे - अग्रिम

- जो अंडे से जन्म लेता है - अंडज
- किसी कथा के अन्तर्गत आने वाली कोई दूसरी कथा - अंतःकथा
- राजभवन के अंदर महिलाओं का निवास स्थान - अंतःपुर
- मन में आप से उत्पन्न होने वाली प्रेरणा - अंतःप्रेरणा
- अंक में सोने वाला - अंकशायी
- अंक में स्थान पाया हुआ – अंकस्थ

'आ' से शुरू होने वाले एकल शब्द

- अग्नि से संबंधित या आग का - आग्नेय
- पूरे जीवन में - आजीवन
- जिस पर किसी का आतंक छाया हो – आतंकित
- जो बहुत क्रूर स्वभाव वाला हो - आततायी
- जो मृत्यु के समीप हो - आसन्नमृत्यु/मरणासन्न
- बालक से लेकर वृद्ध तक - आबालवृद्ध
- जिसकी भुजाएँ घुटनों तक लम्बी हो - आजानुबाहु
- जो जन्म लेते ही मर जाए - आदृण्डपात
- जिसे विश्वास या दिलासा दिलाया गया हो - आश्वस्त
- आशा से बहुत अधिक - आशातीत
- वह कवि जो तत्काल कविता कर डालता है - आशुकवि
- जो अपनी हत्या कर लेता है - आत्मघाती
- अपने आप को किसी के हाथ सौंपना या समर्पित करना - आत्मसमर्पण
- दूसरों के (सुख के) लिए अपने सुखों का त्याग – आत्मोत्सर्ग

'इ' व 'ई' से शुरू होने वाले एकल शब्द

- किन्हीं घटनाओं का कालक्रम से किया गया वृत - इतिवृत्त
- किसी देश या समाज के सार्वजनिक क्षेत्र की घटनाओं, तथ्यों आदि का क्रमबद्ध विवरण- इतिहास
- इतिहास का जानकार - इतिहासज्ञ
- जो दूसरों की उन्नति देखकर जलता हो - ईर्ष्यालु
- उत्तर-पूर्व के बीच की दिशा - ईशान
- इस लोक से संबंधित - इहलौकिक/ऐहिक
- प्रायः वर्षा ऋतु में आकाश में दिखायी देने वाले सात रंगों वाले धनुष - इंद्रधनुष
- इंद्रियों को वश में रखने वाला – इंद्रियजित, जितेन्द्रिय
- इमारत के लिए या इमारत से संबंधित - इमारती
- अपनी इच्छा के अनुसार सब काम करने वाला - इच्छाचारी
- किसी चीज या बात की इच्छा रखने वाला – इच्छुक

'उ' व 'ऊ' से शुरू होने वाले एकल शब्द

- जिसका मन उदार हो - उदारमना
- जिसका हृदय उदार हो - उदारहृदय
- ऊपर आने वाला श्वास - उच्छ्वास
- ऊपर की ओर उछाला या फेंका हुआ - उत्क्षिप्त
- जिसका उल्लेख करना आवश्यक हो - उल्लेखनीय
- जिससे उपमा दी जाए - उपमान
- वह वस्तु जिसका उत्पादन हुआ हो - उत्पाद
- सूर्य जिस पर्वत के पीछे निकलता है - उदयाचल
- बीज से जन्म लेने वाला - उद्भिज
- उत्तर दिशा - उदीची
- वह हँसी जिसमें अपमान का भाव हो - उपहास
- जिस पर उपकार किया गया हो - उपकृत
- पर्वत के नीचे की समतल भूमि – उपत्यका

'ए' व 'ऐ' से शुरू होने वाले एकल शब्द

- इंद्रियों से संबंधित - ऐंद्रिक
- किसी एक पक्ष से संबंध रखने वाला - एकपक्षीय
- चांद्रमास के किसी पक्ष की ग्यारहवीं तिथि - एकादशी
- किसी वस्तु के क्रय-विक्रय का अकेला अधिकार - एकाधिकार
- इन्द्रजाल करने वाला - ऐन्द्रजालिक
- जिसका संबंध किसी एक देश से हो - एकदेशीय
- जो अपनी इच्छा पर निर्भर हो - ऐच्छिक
- इन्द्र का हाथी - ऐरावत

Chapter – 3

Conversion into Direct & Indirect Narration

Direct Speech:-

जब कोई व्यक्ति किसी वक्ता के कहे हुए कथन को बिना किसी परिवर्तन के अभिव्यक्त कर दें तो वह Direct Speech कहलाता है।

जैसे: Ram says , "I work hard."

Indirect Speech:-

जब कोई व्यक्ति किसी वक्ता के कथन को अपने शब्दों में कुछ जरूरी परिवर्तन कर प्रस्तुत करें तो वह Indirect Speech

जैसे: Ram says that he works hard.

ASSERTIVE SENTENCES (कथनात्मक वाक्य):-

He says, "I work hard." (Direct Speech)

He says that he works hard. (Indirect speech)

Assertive sentences को direct से Indirect Speech में परिवर्तन करने के नियम:-

Comma एवं inverted commas को हटाएँ और Conjunction 'that' का प्रयोग करें।

Pronoun नीचे दिए गए नियमानुसार परिवर्तित करें।

1. First Person को Reporting Verb के Subject के अनुसार बदलते हैं।

2. Second Person को Reporting Verb के Object के अनुसार बदलते हैं।

3. Third Person के Reporting Verb में कोई भी बदलाव नहीं किय जाता है।

person	nominative	objective	possessive
1	I we	me us	my,mine our,ours
2	you	you	yours
3	he she it they	him her it them	his her,hers its their,theirs

CHANGE THE TENSE:-

यदि Direct speech को Indirect speech में बदलते समय Reporting verb में Present tense या Future tense हो तो Reported speech के Tense में कोई भी बदलाव नहीं होता है, केवल जरुरत के हिसाब से Pronoun को Change किया जाता है। लेकिन यदि Reporting verb, Past tense में हो तो Reported speech के Tense को निम्नलिखित प्रकार से Change किया जाता है

1. V_I - V_{II}
2. do not / does not - did not
3. is / am / are - was / were
4. has / have - Had
5. has been / have been - Had been
6. V_{II} - Had + V_3
7. did not + V_I - Had not + V_3
8. was / were - Had been
9. Had - No change
10. Had been - No change
11. will / shall - Would
12. Can - Could
13. may - might
14. this - that

Direct speech को Indirect speech में बदलते समय Reporting verb यदि Past tense में हो तो Reported speech में उपयोग होने वाला निकटता सूचक शब्द और दूरी सूचक शब्द और समय को दर्शाने वाले शब्द निम्नलिखित प्रकार से Change किया जाता है।

DIRECT	INDIRECT
This	That
These	Those
Here	There
Hence	Thence
Now	Then
Thus	So
Today	That Day
Yesterday	The previous day / The day before
The day before yesterday	Two days before
Tomorrow	The next day / The following day
Tonight	That night
This day	That day
The day after tomorrow	In two days, Time
Last week	The previous week / The week before
Last month	The previous month / The month before
Last year	The previous yaer / The year before
Last night	The previous night / The night before
Last day	The previous day / The day before

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Next week	The following week
Next month	The following month
Next year	The following yaer
Next night	The following night
Next day	The following day
A year ago	A year before

(A)Direct से Indirect बनाते समय I व II person को III Person मे बदलेगे.
(B) यदि प्रश्न में III person का कोई pronoun आये तो उसे नहीं बदलेंगे उसे ज्यों का त्यों लिख देंगे.
Ex:-
direct:- Anil said to Riya, " I call my and your friends".
Indirect: - Anil told Riya that He called his and her friends.

(i) Said to - change in - told
(ii) Inverted commas - इसे हटाकर - that

Direct:- Sita said to Ram, " I saw my and your brothers near our house yesterday".
Indirect : - Sita told Ram that she had seen her and his brothers near their house the previous day.
Ex. Anil said to Sita , " I did not see my and your brother near our house yesterday".

Ind. - Anil told Sita that he had not seen his and her brother near their house last day.
II person. you you your
He him his
She her her
जब 'you' helping verb से पहले आये और जब 'you' main verb के पहले आये अथवा you, H.V व M.V दोनों से पहले आए तो उसे you No-I मानेंगे और पुरुष के लिए He तथा स्त्री के लिए She मे बदलेंगे।

Ex. you are there you are calling me
H.V M.V
you call me
M.V
Ex Sita said to Ram, " you and I can help our friends here today".
Ind. - Sita told Ram that he and She could help their friends there that day.
Rule-2 जब helping verb के बाद आये या m.v के बाद आए तो उसे you-2 मानेंगे और पुरुष के लिए him व स्त्री के लिए her मे बदलेंगे
Ex. It is you I am calling you
H.V H.V M.V
I Saw you
H.V
Ex. Ram said to Sita, "my and your parents were calling you and me at our school".
Ind. - Ram told Sita that his and her parents had been calling her and him at their school.
- Pronoun वाले start
He said to her, "I saw you".
Ind. - He told her that he had seen her
You said to me, "I call you".
Ind. - you told me that you called me
You said to me, "you and I can help my brother and your Brother".
Ind. - you told me that I and you could help your and my
Indirect speech मे यदि I and we से कोई एक (sub) बने हो तो will/shall हमेशा should मे बदलेंगे

Ex :- You said to me, " you will go".
Ind. - You told me that I should go
यदि reporting verb में I अथवा me मे से किसी शब्द का प्रयोग हो तो reporting speech मे we, us, our - (No Change) नहीं बदलेंगे
Ex- You said to me, " we call our friends".
Ind. - You told me that we called our friends
Ex- You said to me,"we shall help my and your friends at our school".
Ind. - You told me that we should help you and my friends at our school.

*Interrogative with helping verb
Ex he said to her, "Have you called me"?
(I) said to - Asked
" "
Inverted - If
Comma

Ind. - He asked her if she had called him.
Explanation:- If के कारण वाक्य Interrogative बन जाता है अतः मां को हल करते समय H.V को पीछे ले जाएंगे और sub को आगे ले आयेगे बाकी परिवर्तन पिछले नियमों के अनुसार होंगे।
वाक्य को हल करने के बाद प्रश्नवाचक चिन्ह हटा देंगे उसके स्थान पर full stop का प्रयोग करेंगे।
Ex. She said to Ram," shall I help you"?
Ind.- She asked Ram if she would help you.
Note- यदि प्रश्नवाचक वाक्य में did का प्रयोग हो तो वाक्य हल करते समय इसे वाक्य से हटा देंगे लेकिन वाक्य past. Indef. tense में ही रखना होगा इसलिए Verb को II form मान लेंगे और Had+V_3 में बदलेंगे
Ex. He said to her did I call you
He asked her if he had called you
Note :- अगर वाक्य में do / does आया है तो Ind. बनाते समय उसे वाक्य से हटा दिया जाएगा यह केवल Present Indef. tense बतलाने के लिए आता है।
Ex :- you said to me, "do you help me".
Ind. - You asked me if I help to you"
Interrogative with wh. word
Ex :- Ram said to Sita, "where are you going".
Sad to - Asked
(" ") - इसे उठाकर कुछ नहीं लिखेंगे तथा wh शब्द को ज्यों का त्यों लिख देंगे
Ind. - Ram asked Sita where she was going.
* बाकी परिवर्तन पिछले नियमों के अनुसार ही करेंगे
Hov.पीछे और Sub आगे
Ex :- you said to me, "what will you call me".
You asked me what I should call you".

Imperative Sentence

(i) इन sent. के माध्यम से (order, advice, suggestion, request) के भाव को व्यक्त किया जाता हैं ।
(ii) यह वाक्य हमेशा verb की I form से शुरू होगे या do not से शुरू होंगे।
(iii) Said to के स्थान पर वाक्य का भाग देखते हुए (order, request, suggested, advice) मे से किसी का प्रयोग करेंगे ।
(iv) " " - इस से हटाकर कुछ नहीं लिखेंगे
Inverted Comma
(v) यदि वाक्य की I form से शुरु हुआ Indirect बनाते समय उससे पहले हमेशा To preposition का प्रयोग करेंगे।
(vi) इन वाक्यों मे tense परिवर्तन नहीं होगा अतः वाक्य मे बिना tense परिवर्तन ज्यों का त्यों लिख देगे।
(vii) लेकिन persons वाले परिवर्तन अवश्य होगे।
(viii) यदि reporting speech का भाव समझ में ना आये तो said to के स्थान पर asked का प्रयोग करेंगे।
Ex :- Ram said to Sita, " Bring my and your food in our room".
Ind. - Ram asked Sita to bring his and her food in their room .
(ix) यदि वाक्य do not से शुरु हो तो इन्हें दो प्रकार से बनाया जाता है।

Type (i)
[" " Inverted comma] इसे हटाकर कुछ नहीं लिखेंगे ।
(ii) वाक्य मे सिर्फ do को हटाएगे not को यथावत रहने देंगे लेकिन not के बाद ठीक To preposition का प्रयोग करेंगे।
इन वाक्यों मे tense परिवर्तन नहीं होगा लेकिन persons वाली लिस्ट परिवर्तन अवश्य होगे।
The doctor said to the patient " do not drink wine".
The doctor advised to the patient not to drink wine.
Type - 2

Chapter – 8

Synonyms and Antonyms

Synonymss.No.	Word	Meaning	Synonyms
1.	Genuine	Truly what something is said to be (वास्तविक)	Real, True, Actual, Honest, Sincere, Veritable, Authentic, Original
2.	Laconic	Brief (संक्षिप्त)	Crisp, Brusque, Pithy, Terse, Compendious, Concise, Succinct
3.	Diligent	Having or showing care and conscientiousness in one's work or duties (मेहनती)	Industrious, Careful, Assiduous, Tireless, Attentive, Indefatigable
4.	Insolent	Showing a rude and arrogant lack of respect (बदतमीज)	Impudent, Rude, Impertinent, Disrespectful, Brazen, Bold
5.	Sordid	Involving immoral or dishonourable actions and motives / Arousing moral distaste and contempt (घिनौना)	Unpleasant, Low, Mean, Dirty Foul, Squalid, Base, filthy
6.	Transient	Lasting only for a short time / Impermanent (अस्थायी)	Transitory , Temporary, Ephemeral, Passing, Brief, Momentary
7.	Abandon	Cease to support or look after (someone) / desert (छोड़ देना)	Forsake, Leave, Quit, Desert, Relinquish, Renounce, Surrender
8.	Accede	Agree to a demand , request, or treaty (मान लेना)	Consent, Join, Agree, Adhere, Assent, Accept
9.	Adversity	A difficult or unpleasant situation (विपत्ति)	Misery, Misfortune, Hardship, Distress, Affliction, Disaster
10.	Affluent	Having a great deal of money / wealthy (धनी)	Prosperous, Wealthy, Rich, Moneyed, Opulent, Loaded
11.	Candid	Truthful and straightforward (निष्कपट)	Frank, Honest, Open, Direct, Outspoken, Sincere
12.	Cantankerous	Bad tempered ,argumentative and uncooperative (झगड़ालू)	Quarrelsome, Bellicose, Crabby, Cranky, Crotchery, Testy
13.	Coarse	Rough or Harsh in texture (खुर्दरा)	Rough, Rude, Crude, Gross, Vulgar, Unrefined, Uncouth
14.	Condemn	Express complete disapproval of / Censure (निंदा करना)	Criticize, Castigate, Censure , Chide, Punish, Sentence

15.	Convict	Person found guilty (दोषी ठहराना)	Culprit, Captive, Felon, Prisoner, Repeater
16.	Defer	Put off (an action or event) to a later time (टालना)	Postpone, Delay, Put off, Suspend, Shelve, Adjourn
17.	Deliberate	Done consciously and intentionally (जानबूझ के किया हुआ)	Intentional , Ponder, Consider, Premeditated, Reflect
18.	Eminent	Famous and respected within a particular spare (of a person) (प्रख्यात)	Renowned, Famous, Prominent, Distinguished, Superior, Illustrious, Celebrated, Notable
19.	Enigmatic	Puzzling (रहस्यपूर्ण)	Puzzling, Mysterious, Cryptic, Obscure, Perplexing, Baffling

20.	Eternal	Lasting or existing forever / Without end (सार्वकालिक)	Ageless, abiding, Continual, Enduring, Everlasting, Indestructible, Timeless
21.	Feign	Pretend to be affected by (a feeling, state, or injury) (बहाना करना)	Pretend, Fake, Simulate, Dissemble, Sham, Counterfeit
22.	Hoodwink	Deceive or trick (छलना)	Deceive, Trick, Fool, Cheat, Mislead, Bamboozle
23.	Hurdle	A problem or difficulty that must be overcome (बाधा)	Barrier, Hindrance, Obstruction, Impediment, Vault
24.	Impeccable	In accordance with the highest standards (त्रुटिहीन / अवगुणरहीत)	Faultless, Perfect, Flawless, Spotless, Immaculate, Blameless
25.	Intrepid	Fearless / Adventurous (निडर)	Gallant, Courageous, Fearless, Heroic, Plucky Spunky
26.	Jubilant	Feeling or expressing great happiness and triumph (प्रफुल्लित)	Rejoicing, Joyful, Happy, Elated, Exultant, Pleased, Glad
27.	Lethal	Sufficient to cause death (जानलेवा)	Fatal, Deadly, Mortal, Malignant, Toxic, Poisonous
28.	Meticulous	Showing great attention to detail / Very careful and precise (अतिसावधान)	Careful, Scrupulous, Particular, Punctillious, Precise, Accurate, Fastidious
29.	Nefarious	Wicked or criminal (बदमाश)	Wicked, Villainous, Atrocious, Vile, Evil,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम देखने के लिए क्लिक करें -

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=1253s

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

VDO Pre. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 प्रश्न आये
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)

FREE SAMPLE

RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

FREE SAMPLE

नोट्स खरीदने के लिए इन लिंक पर क्लिक करें

Whatsapp - https://wa.link/gwli3t

Online order - https://bit.ly/rsmssb-cet-notes